अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट

पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क,
श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर
जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073

वार्षिक प्रतिवेदन

2016–17

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

(अ) ट्रस्ट के व्यय से सम्पादित कार्यक्रम :–

- टीकाकरण कार्यक्रम
- महिला विधि जागरूकता शिविर
- सडक सुरक्षा जागरूकता शिविर
- स्वरोजगार प्रशिक्षण
- कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम

(ब) जनसहभागिता से सम्पादित कार्यक्रम :–

- वृद्धजन कल्याण कार्यक्रम
- पर्यावरण चेतना
- सास बहु सम्मेलन
- एच.आई.वी. एड्स जागरूकता कार्यक्रम
- व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम
- कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम
- नारा लेखन
- जन जागरण शिविर
- जल संरक्षण सप्ताह
- कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने व बेटी बचाओ, बेटी बढाओ हेतु कार्यक्रम
- स्वच्छ भारत अभियान

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

(अ) ट्रस्ट के व्यय से सम्पादित कार्यक्रम :–

टीकाकरण कार्यक्रम :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 ने जिले के ग्राम पंचायतों पर सामुहिक बैठको का आयोजन किया गया व इसमें ट्रस्ट के कार्यकर्त्ता द्वारा लोगो को सब सेन्टर व आंगनबाडी पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई और लोगो को टीकारण के बारे में जानकारी दी गई। गांव के लोगो को अन्य तांत्रिक प्रपंचो में न आने के बजाय वे अधिक से अधिक सब सेंटर व आंगनबाडियों पर आकर सुविधाओं के लाभ उठाने को आग्रह किया साथ ही सब सेन्टर पर कार्यरत्त ए.एन.एम. व आंगनबाडी कार्यकर्त्ताओं के द्वारा लोगो को जानकारी दी गई की कोन सा टीका बच्चे कब और कितने समय के बाद लगवाना चाहिए और साथ ही कई बच्चों व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी करवाया गया।

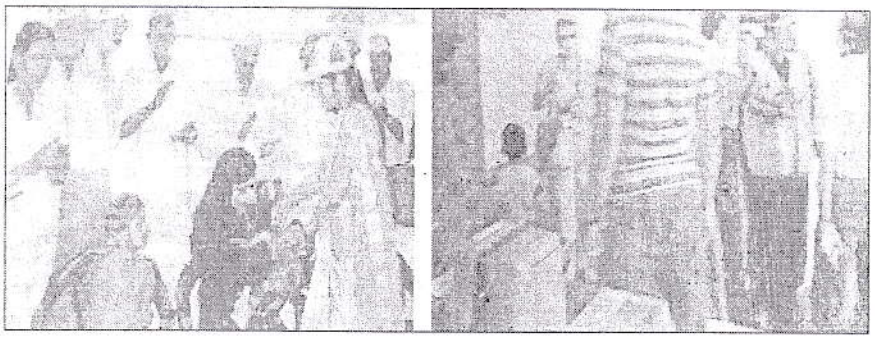

महिला विधिक जागरूकता शिविर

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 के द्वारा वर्ष 2016–17 में दो महिला विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। महिला अधिवक्ताओं व महिला समाज सेवा व जनप्रतिनिधियों ने दोनो शिविरों में उपस्थित महिलाओं को प्रभारी रूप सें विधिक जानकारीयां दी हुऐं, अपने अधिकारों, कर्त्तव्यों व दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वाह करने का आहवान

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

किया गया। साथ ही महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से बैंक से जुडकर स्वरोजगारी बनने हेतु प्रेरित किया।

सडक सुरक्षा जागरूकता शिविर :–

ट्रस्ट द्वारा सडक सुरक्षा जागरूकता शिविरों का आयोजन कर उसमें उपस्थित लोगो को सडक सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। लोगो को यातायात के नियमों का पालन करने के बाद हम अपने जीवन को सुखी बना सकते है। दुपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेंट पहनना चाहिये तथा कार चलाते समय सुरक्षा बैल्ट बांधनी चाहियें। जिससे हम अपने और अपने परिवार के जीवन की सुरक्षा कर सकें क्योंकि जीवन अनमोल है।

स्वरोजगार प्रशिक्षण

ट्रस्ट ने वर्ष 2016–17 के दौरान स्वरोजगार के प्रति रूचि बढाने के उद्देश्य से श्रीगंगानगर जिले में महिलाओं के लिए 1 महिने का सिलाई प्रशिक्षण आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 महिलाओं को सिलाई में प्रशिक्षित किया गया। वर्ष 2016–17 में ट्रस्ट द्वारा जनसहयोग से प्रधानमंत्री ग्राम स्वरोज योजना के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगारों को विभिन्न उद्योगो धंधो के दो प्रशिक्षण शिविरों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण करवाया गया जिसमें कुल 38 सम्भागी रहे जिन्होने प्रशिक्षण उपरान्त अपने–अपने व्यवसाय प्रारम्भ कियें। शिविरों में ट्रस्ट द्वारा विभिन्न प्रकार के रोजगार जैसे – सिलाई का कार्य, मोबाईल रिपेयरिंग का कार्य, तथा डिजाईनिंग करना आदि पर प्रकाश डाला गया, जिसमें सैकडो युवाओं और युवतियों ने भाग लिया। जिससे युवा वर्ग अत्यन्त प्रभावित हुए। तथा युवा वर्ग के जीवन में एक नया उत्साह उत्पन्न हुआ।

कुष्ठ रोग निवारण कार्यक्रम :–

कुष्ठ रोग निवारण के बारे में हमारी ट्रस्ट के द्वारा अभियान चलायें गये है, तथा इस रोग को रोकने के उपाय भी लोगो को बताये गये है। उस ट्रस्ट के अध्यक्ष महोदय ने कहां कि कुष्ठ रोग मानव जाति का सबसे पुराना

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

इकाईयां भी सर्वाधिक पर्यावरण प्रदूषण कर रही है। जबकि पर्यावरण को बचानें तथा उत्तम बनाने के उपया नगण्य हो रहे है। बढ़ती जनसंख्या तथा उद्योगो के कारण शहरीकरण हो रहा है तथा कृषि/वन भूमि कम होती जा रही है। वर्ष 2016–17 तक देश की 19.5 प्रतिशत कृषि भूमि कम हो चुकी है। जब कृषि भूमि कम होती है तो उसमें आच्छान्दित वृक्ष तथा वनस्पति भी खत्म होती है। इस कारण हमारा पर्यावरण संतुलत गड़बडा रहा है। ट्रस्ट ने वर्ष 2016–17 के दौरान 9 गांवो (श्रीगंगानगर जिले) में पर्यावरण चेतना कार्यक्रम आयोजित कर वृक्षारोपण तथा पर्यावरण बचानें की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में 750 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम जनसहभागिता से आयोजित किया गया।

सास बहु सम्मेलन :–

सांस बहु का रिश्ता परिवार में एक महत्वपूर्ण रिश्ता है जो एक–दूसरे को सुरक्षित व संतोषप्रद जीवन बिताने में मदद करता है। घर के अन्दर एक महिला को हर स्थिति में ये सम्बन्ध सम्बल प्रदान करने वाला होता है। प्रजनन स्वास्थ्य में सांस बहु का रिश्ता एक महत्वपूर्ण कडी का कार्य करता है। अतः ट्रस्ट द्वारा सांस–बहु सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुडे हर बिन्दूओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। प्रसव से पूर्व, प्रसव के पश्चात् परिवार के लोग व स्वयं उस महिला को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है इस बिन्दू पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस सम्मेलन में गीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से महिला की बचपन, वृद्धावस्था, किशोरावस्था व युवावस्था की स्थितियों को चित्रित करने का कार्य किया गया।

एच.आई.वी. एड्स जागरूकता कार्यक्रम :–

ट्रस्ट ने वर्ष 2016–17 के दौरान तेजी से फैल रही लाइलाज बिमारी एड्स के प्रति लोगो में जागरूकता पैदा की। ट्रस्ट ने इस दिशा में प्रयास करते हुए गांवो में युवाओं एवं नवदम्पतियों से सम्पर्क कर समूह बैठको द्वारा असुरक्षित यौन सम्बन्ध से होने वाले खतरों की विस्तृत जानकारी दी। लाइलाज एड्स से बचाव के उपाय बनाने के साथ निरोध उपयोग हेतु प्रोत्साहित भी किया गया। यह कार्यक्रम श्रीगंगानगर में आयोजित किया गया।

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम :–

जनसहभागिता से सम्पादित व्यक्तिगत स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत ट्रस्ट ने वर्ष 2016–17 के दौरान गांवो में महिलाओं की समूह बैठकर लेकर व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वास्थ्य पर जानकारी दी। ट्रस्ट ने महिलाओं तथा बच्चों को प्रतिदिन मंजन करने, स्नान करने, धुले हुऐ कपडे पहनने, शौच आदि के बाद साबून से हाथ धोने, पानी को छानकर पीने, पोष्टिक आहार एवं संतुलित भोजन के बारे में बताया। वर्षा ऋतु में होने वाली बिमारियों, महिलाओं तथा बच्चों में फैल रहे चर्म रोग व नेत्र ज्योति कम होने जैसी बीमारियों पर भी प्रकाश डाला गया एवं बचाव के उपाय बताये। यह कार्यक्रम ट्रस्ट ने जिले में आयोजित कर 725 लोगो तक व्यक्तिगत स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ पहुंचाया।

कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने हेतु कार्यक्रम :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 के द्वारा 2016–17 में कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने हेतु विशेष प्रयास किये गयें। आज भी अधिकांश तहसीलों में बेटी के जन्म को लेकर बहुत सी महिलाओं को आज भी काफी तकलीफो का सामना करना पडता है। आज भी तहसीलों में कन्या का जन्म एक अभिशाप समझा जाता है और उसे बोझ समझा जाता है इस सामाजिक सोच के रहते आज भी तहसीलों में ना जाने कितनी ही महिलाओं हिंसा का शिकार होना पडता है। इस सामाजिक कुरितियों का अंत करने हेतु ट्रस्ट द्वारा श्रीगंगानगर जिले के तहसीलों में एक ट्रस्ट का गठन किया गया व प्रत्येक पंचायतों में एक–एक ट्रस्ट का गठन कर वहां पर लोगो की सामूहिक बैठक में तहसील के लोगो को यह जानकारी दी गई वे घर में बेटी का अभिशाप न माने क्योकिं बेटी को जन्म देना केवल महिलाओं पर ही नही निर्भर है ये तो पति और पत्नि दोनो पर ही निर्भर होता है। समय–समय पर ट्रस्ट द्वारा तहसील में बैठक लेकर लोगो में कन्या भ्रुण हत्या के रोकथाम पर जोर दी व ट्रस्ट द्वारा इस विषय पर अन्य कार्य भी किये गयें।

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर

नारा लेखन :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 के द्वारा वर्ष 2016–17 श्रीगंगानगर जिले के विभिन्न गांवो में नारा लेखन का कार्य किया गया। इस वर्ष ट्रस्ट द्वारा गत वर्ष से अधिक से अधिक नारा लेखन का कार्य किया गया व ट्रस्ट द्वारा शिक्षा व स्वास्थ्य और अन्य गतिविधियों पर नारा लेखन का कार्य लोगो में जागरूकता लाने का सराहनीय कार्य किया गया।

जन जागरण शिविर :–

व्यापारी वर्ग ग्रामीण जनता को उपभोक्ता अधिकारो की जानकारी के अभाव में ठगता है। भोले–भाले किसान एगमार्क आदि के बारे में जानते नही है। इस कारण वस्तुओं की नकल को समझ नहीं पातें। फर्टिलाईजर कन्ट्रोल आर्डर की जानकारी के अभाव में खाद/उर्वरक के मानक नहीं समझ पाते। व्यापारी वर्ग ग्रामीणो को बिल नहीं देते, साथ में इलैक्ट्रोनिक वस्तुओं, कृषि यंत्रो में गारन्टी कार्ड/वारन्टी कार्ड में भी ठगी करते है। हाइब्रिड बीज के बदले साधारण बीज बेचकर किसानों को बेवकूफ बना देते है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए ट्रस्ट ने गांवो में बैठको द्वारा लोगो को उनके अधिकारो से अवगत कराने का प्रयास किया साथ ही उन्हे अपने अधिकरों के प्रति संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया और जगह जगह पर जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया।

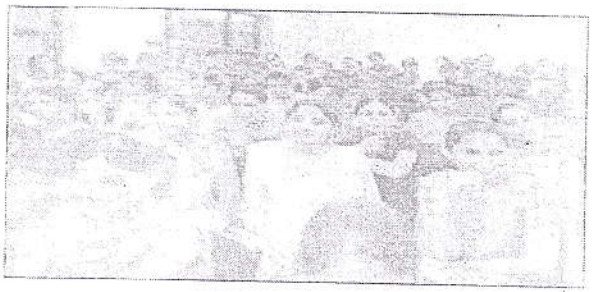

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्री करणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)

जल संरक्षण सप्ताह

ट्रस्ट ने वर्ष 2016–17 के दौरान अगस्त के प्रथम सप्ताह को जल संरक्षण सप्ताह के रूप में मनाया। इस दौरान ट्रस्ट ने श्रीगंगानगर जिले में जल संरक्षण गोष्ठिया आयोजित कर ग्रामीणों को पानी का महत्व बताया, पानी का अपव्यय रोकने का आह्वान किया तथा वर्षा के पानी को संरक्षित करने के तरीके बतायें। इस कार्यक्रम के द्वारा ट्रस्ट ने 200 से अधिक ग्रामीणों तक पानी के संरक्षण की बात पहुंचाई। यह कार्यक्रम जनसहभागिता द्वारा किया गया।

कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने व बेटी बचाओ, बेटी बढाओ हेतु कार्यक्रम :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 के द्वारा 2016–17 में कन्या भ्रुण हत्या पर रोकथाम लगाने हेतु विशेष प्रयास किये गयें। आज भी अधिकांश तहसीलों में बेटी के जन्म को लेकर बहुत सी महिलाओं को आज भी काफी तकलीफो का सामना करना पडता है। आज भी तहसीलों में कन्या का जन्म एक अभिशाप समझा जाता है और उसे बोझ समझा जाता है इस सामाजिक सोच के रहते आज भी तहसीलों में ना जाने कितनी ही महिलाओं हिंसा का शिकार होना पडता है। इस सामाजिक कुरितियों का अंत करने हेतु ट्रस्ट द्वारा जयपुर जिले के तहसीलों में एक ट्रस्ट का गठन किया गया व प्रत्येक पंचायतों में एक–एक ट्रस्ट का गठन कर वहां पर लोगो की सामूहिक बैठक में तहसील के लोगो को यह जानकारी दी गई वे घर में बेटी का अभिशाप न माने क्योकिं बेटी को जन्म देना केवल महिलाओं पर ही नही निर्भर है ये तो पति और पत्नि दोनो पर ही निर्भर होता है। समय–समय पर ट्रस्ट द्वारा तहसील में बैठक लेकर लोगो में कन्या भ्रुण हत्या के रोकथाम पर जोर दी व ट्रस्ट द्वारा इस विषय पर अन्य कार्य भी किये गयें। बेटी बचाओं, बेटी बढाओं की ओर लोगो को जागरूकता का कार्य किया गया।

रोग है। इसके जीवाणु 'माइक्रो बैक्टीरियम लैप्री' की खोज 1873 में नार्वे के वैज्ञानिक जी.एच.ए. हैन्सन ने की थी। अंधविश्वास के चलते पहले भारत में इसे पिछले जन्म के दुष्कर्मो का प्रतिफल माना जाता था। उन्होने कहां कि राजस्थान में उसकी प्रसार दर कम है। राष्ट्रीय प्रसार दर 1.12 प्रति दस हजार के मुकाबले राजस्थान में 0.027 प्रति दस हजार ही रोगी है।

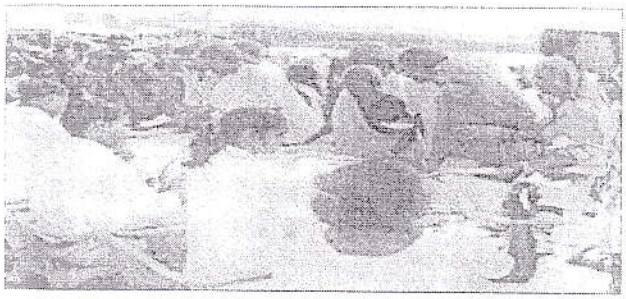

(ब) जनसहभागिता से सम्पादित कार्यक्रम :–

वृद्धजन कल्याण कार्यक्रम

ट्रस्ट ने वर्ष 2016–17 के दौरान वृद्धजनों के कल्याण हेतु कदम बढाते हुए 15 गांवो में एक–एक कार्यक्रम आयोजित कर 890 वृद्ध महिला/पुरूषो की सेवा की। ट्रस्ट ने इस कार्यक्रम के तहत श्रीगंगानगर जिले में वृद्ध जनों की सेवा के लिए कार्यक्रम आयोजित किये। इन कार्यक्रमों में वृद्धजनों के मनोरंजन हेतु कठपुतली नृत्य, कविता पठन तथा भजन गायन द्वारा द्वारा मनोरंजन के साथ समाजसेवी डॉक्टरों द्वारा वृद्धो का मेडिकल चेकअप तथा निःशुल्क वितरण किया गया।

पर्यावरण चेतना कार्यक्रम

पर्यावरण को अच्छा संतुलित बनाये रखने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र उपाय बचा है। वृक्षारोपण के साथ ही जनता में वृक्षमित्र बनाने की आवश्यकता है। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना भी ट्रस्ट का ध्येय है। आज की इस भाग दौड भरी जिन्दगी में मनुष्य प्लास्टिक द्वारा सबसे ज्यादा पर्यावरण प्रदुषण कर रहा है। दूसरी तरफ वाहन, रेफ्रीजरेशन उद्योग तथा अन्य औद्योगिक

स्वच्छ भारत अभियान :–

अनुपमा एज्युकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट, पता – बी. ब्लॉक नियर गांधी पार्क, श्रीकरणपुर, तहसील श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर, राजस्थान 335073 के द्वारा सभा आयोजन किया गया। जिसमें अनेक लोग सम्मलित हुये। तथा अपने स्वास्थ्य के सुधार एवं आने वाले जीवन को सुरक्षित रखने के लिए लोगो को अपने आस पास स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। तथा समय समय पर अपने आस पास के स्थान को स्वच्छ रखना चाहिये तथा लोगो को भी स्वच्छ रहने की सलाह देनी चाहिये।

प्रबन्ध निदेशक
अनुपमा एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर ट्रस्ट
श्रीकरणपुर जिला श्रीगंगानगर (राज.)